Roll No : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APG–1005

M.A. (Previous) Examination, 2021

RAJASTHANI

Paper - I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळां **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **2** अंक अर **50** सबदां मांय देवंणा है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ प्रत्येक 2

1. नीचै लिख्यौड़ा सगळां सवालां रा पड़ूत्तर देवो (सबद सीमा **50** सबद, अंक **2** सवाल दीठ) :

(i) ईसरदास बारठ रो जलम कद हुयो अर कठै हुयो ?

(ii) ईसरदास जी रै गुरु रो कांई नांव हो, अर गुरु कठै मिल्या ?

(iii) ईसरदास बारठ किण राजा रा आश्रित कवि हा ?

(iv) 'रणमल्ल छंद' किण भांत रो काव्य है ?

(v) रणमल्ल राठौड़ यवना सारु कांई बणावै।

(vi) पृथ्वीराज राठौड़ रचित **चार** ग्रंथां रा नांव लिखो।

(vii) रुक्मिणी कठै री राजकुमारी ही ? बाप रो नांव बताओ ?

(viii) पृथ्वीराज राठौड़ री ओळखाण कराओ।

(ix) ढोला-मारू रो ब्यावं किण ठौड़ हुयो ? ब्यावं रै बखत दोना री उमर किती ही ?

(x) 'ढोला-मारू रा दूहा' मांय किण रस री प्रधानता है ?

खण्ड–ब प्रत्येक 8

सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पड़ूत्तर दिरावो (सबद सीमा **200** सबद) :

2. केहरि केस भमंग-मणि सरणाई सुहड़ाँह।

सती पयोहर क्रयण धन, पड़सी हाथ मुवांह॥

मूवाँहिज पड़ैसी हाथ भमंग-मणि।

गहड़ सरणांइया ताहरै गैडसणि॥

काळ ऊभौ जसौ सकै नेड़ा करी।

कुणि सती पयोहर मूछ लै केहरी॥

3. यम-सदनं प्रतिनीताः,

सीता-रमणेन दानवाः स्फीताः।

अधुना कमधज-मल्लो,

रणमल्लस तत्र तान नयति॥

4. कायणि-कुच कठिन कपोळकरी किरि,

बैस नवी विधि वाणि वखाणि,

अति स्यामता विराजति ऊपरि,

जोवणि दाण दिखाळिया जाणि॥

5. कूँझड़ियाँ कळरव कियउ, घरि पाछिले दरंगि।

सूती साजण संभर्‌या, करवत बूहि अंगि॥

ढाढी एक सँदेसड़उ, ढोलइ लगि लइ जाइ।

जोबण फट्टि तलावड़ी, पाळि न बंधउ काँई॥

6. बळि-बंधण! मूझ, सियाळ सिंघ-बळि,

प्रासइ, जउ बीजउ परणइ

कपिळ धेनु दिन पात्र कसाई,

तुळसी करि चंडाळ तणइ॥

7. मारवणी री विरह-वेदना रो वरणाव करो।

8. वीरवर रणमल्ल रो चरित्र-चित्रण उकेरो।

खण्ड–स प्रत्येक 20

नीचै लिख्योड़ा चार सवालां मांय सूं किणी **दो** सवाला रा पड़ूत्तर देवो (सबद सीमा **500** सबद) अंक **20** सवाल दीठ :

9. 'हालाँ-झालाँ रा कुंडलिया' रै आधार पर उण बखत रा समाज अर संस्कृति री विसेसतावां बताओ।

10. "'रणमल्ल छंद' अेक अेतिहासिक वीर काव्य है।" इण कथन री विरोळ करावो।

11. भाव पख अर कला पख रै आधार माथै 'वेलि' री समीक्षा करो।

12. "ढोला-मारू रा दूहा" अेक लोक गाथा है। इण कथन री कूंत करो।